

भवरी देवी पत्नि उंकार  
हनुमान पुत्र अर्जुन  
3 पूर्ण पुत्र अर्जुन ज

महोदय.

पत्रावली माण प्रशासन गावो के संग  
अभिमान केंच स्मालोदहा मे पेश हुइ  
तहसीलदार नीमकाथाना उप। तहसीलदार  
नीमकाथाना को पुना जमा एवं पत्रावली  
का अवलोकन किमा जमा। तह प्रांपत्र  
तहसीलदार नीमकाथाना ठारा वही सिमत  
अभिचारी पेश हुआ है कि अप्राथीगिण  
को पूर्व मे बाड़े के लप मे अमि  
का आवंटन हुआ था परन्तु तत्काल  
इका नामाचाल दर्ज कते समय  
राजस्व कार्मिओ ने तहका से  
जोर-खातेदार दर्ज कर दिमा जबकि  
इको बाड़ा आवंटन के काण खोतेदा  
ही दर्ज करना चाहिए था। प्रकाल  
स्वीकार किए जाने से अप्राथीगिण को  
किसी प्रकार की हानि या क्षति नहीं  
अतः तहसीलदार (अभिचारी) के ठारा  
प्रस्तुत मा. पत्र दुसरी प्रस्ताव  
मान कर प्रा. पत्र स्वीकार किमा जान  
उचित है।

अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार  
किमा जाकर निर्णित किमा जाता  
है कि आदेश सूत्रक से जारी ही  
पत्रावली कैसल बुनार होना नम्बर  
से कम होकर दफ्तर दाखिल हो  
निर्णय प्रशासन गावो  
के तंग अभिमान केंच स्मालोदहा  
मे मजमे - आन मे पुना जमा

(बृजेश कुमार)  
उपखण्ड अधिकारी  
नीमकाथाना

